

॥ श्री ॥

लब्धिसार

LABDHISAARA

आ. नेमिचन्द्र · १०वीं शती · अभिलेख ५०/९०

श्री प्रभाचन्द्राचार्य-१

→

आ. नेमिचन्द्र

→

श्री भानुनन्दिस्वामी

संक्षिप्त परिचय

आचार्य नेमिचन्द्र कृत — सम्यक्त्व-प्राप्ति की करणलब्धियों (क्षयोपशम आदि पाँच लब्धियों) की सूक्ष्म प्रक्रिया का गाथाबद्ध निरूपण।

— सम्पादकीय परिचय; नीचे की तालिका-सामग्री मूल स्रोतों से अक्षरशः है। · Editorial summary; all list data is verbatim from the sources.

अभिलेख-विवरण

लब्धिसार — दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के ९० प्रमुख प्राचीन ग्रन्थों की कालानुक्रमिक सूची में क्रमांक ५० पर अंकित ग्रन्थ है। रचयिता आ. नेमिचन्द्र; रचना-काल १०वीं शती (लगभग)। आचार्य-समयानुक्रमणिका (क्रमांक ९४) के अनुसार इनका समय ५५६-५६५ है तथा गुरु श्री प्रभाचन्द्राचार्य-१। इसी लेखनी से गोम्मटसार जीवकाण्ड, गोम्मटसार कर्मकाण्ड, द्रव्यसंग्रह, क्षपणासार, त्रिलोकसार, जीवतत्त्वप्रदीपिका भी इस सूची में सम्मिलित हैं। समकालीन ग्रन्थों में चन्द्रप्रभचरित, प्रद्युम्नचरित, गद्यचिन्तामणि, क्षत्रचूडामणि, यशस्तिलकचम्पू, नीतिवाक्यामृत परिगणित हैं।

इसी लेखनी से

गोम्मटसार जीवकाण्ड

गोम्मटसार कर्मकाण्ड

द्रव्यसंग्रह

क्षपणासार

त्रिलोकसार

जीवतत्त्वप्रदीपिका

समकालीन ग्रन्थ

चन्द्रप्रभचरित

प्रद्युम्नचरित

गद्यचिन्तामणि

क्षत्रचूडामणि

यशस्तिलकचम्पू

नीतिवाक्यामृत

सम्पूर्ण ग्रन्थ पढ़ें

जैन ग्रन्थ लाइब्रेरी ↗

जैनकोश ↗

Archive.org ↗

बाह्य ग्रन्थालयों में खोज — नई टैब में खुलेगी

← द्रव्यसंग्रह

क्षपणासार →

श्रुतधारा · ग्रन्थ ५०/९० · स्रोत: ९०-ग्रन्थ कालानुक्रमिक सूची (मुमुक्षु)